#### 21-11-2023

### चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यऋम होगा शुरू

आज का कानपुर कानपुर । रिफाइन्ड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर अप्रैल 2024 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यऋम शुरू करेगा कुछ साल पहले तक, देश में सल्फीटेशन प्रक्रिया द्वारा केवल सफेद चीनी का उत्पादन किया जाता था, लेकिन औद्योगिक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता और बेहतर गुणवत्ता वाली चीनी के लिए उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए. 532 चालू चीनी कारखानों में से लगभग 80 कारखानों ने अपनी उत्पादन में परिवर्तित कर लिया करना पड़ रहा है। संस्थान के



कंपनियों और शीर्ष संगठनों के दौरान आयोजित किया जाएगा उत्पादन प्रक्रिया को रिफाइन्ड साथ बातचीत करने के बाद, जबकि अधिकांश चीनी या सल्फर रहित चीनी के हमने चीनी मिलों में पहले से ही पाठ्यक्रमों की कक्षाएं बंद रहती काम कर रहे विज्ञान पृष्ठभूमि के है चीनी रिफाइनरियों की 12 वीं पास व्यक्तियों को उनके प्रयोगशालाओं और छात्रावास के प्रसंस्करण तकनीक भिन्न होने ज्ञान को उन्नत करने के लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की के कारण, चीनी इकाइयों को विषय वस्तु पर तीन महीने की आवश्यकता नहीं होगी। संस्थान आवश्यक परिचालन स्टाफ अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करने की अकादमिक परिषद ने पहले मिलने में संकट का सामना पर विचार किया है।शिक्षा प्रभारी ही प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। अशोक गर्ग ने कहा कि पाठ्यक्रम अतएव हमारा प्रस्ताव मार्च 2024

अन्य हैं, इस प्रकार कक्षाओं,

निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने में 20 सीटें होंगी और इस में इस पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश कहा कि प्रतिष्ठित चीनी पाठ्यक्रम को अप्रैल- जून के परीक्षा आयोजित करने का है। देशर्ममोर्चा, हन्दी देनिक

कानपुर नग

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान अप्रैल ,24 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा

दैनिक देश मोर्चा संवाददाता मनी वर्मा

रिफाइन्ड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर अप्रैल 2024 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यक्रम शुरू करेगा कुछ साल पहले तक, देश में सल्फीटेशन प्रक्रिया द्वारा केवल सफेद चीनी का उत्पादन किया जाता था, लेकिन औद्योगिक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता और बेहतर गुणवत्ता वाली चीनी के लिए उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हए, 532 चाल चीनी कारखानों में से लगभग 80 कारखानों ने



अपनी उत्पादन प्रक्रिया को पड़ रहा है संस्थान के निदेशक रिफाइड पीनों पा सल्फर रहित प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि चीनी के उत्पादन में परिवर्तित प्रतिष्टित चीनी कंपनियों और कर लिया है बीनी रिफाइनरियों शीर्ष संगठनों के साथ बातचीत की प्रसंस्करण तकनीक भिन्न करने के बाद, हमने चीनी मिलों होने के कारण चीनी इकाइयों को में पहले से ही काम कर रहे आवश्यक परिचालन स्टाफ विज्ञान पृष्ठभूमि के 12 वीं पास मिलने में संकट का सामना करना व्यक्तियों को उनके ज्ञान को

उन्नत करने के लिए विषय वस्तु अ पर तीन महीने की अवधि का ( पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार 3 किया है शिक्षा प्रभारी श्री अशोक न गर्ग ने कहा कि पाठयक्रम में 20 म सीटें होगी और इस पाठ्यक्रम प्र को अप्रैल- जून के दौरान <sub>प</sub> आयोजित किया जाएगा जबकि से अधिकांश अन्य पाठयक्रमों की अ कक्षाएं बंद रहती है, इस प्रकार ब कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और 🕞 छात्रावास के अतिरिक्त बुनियादी प ढांचे की आवश्णकता नहीं होगी। च संस्थान की अकादमिक परिषद 2 ने पहले ही प्रस्ताव पर सहमति दे दि दी है। अतएव हमारा प्रस्ताव छे मार्च 2024 में इस पाठ्यक्रम के त लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित मं करने का है।

### एनएसए 'चीनी रिफाइनरी संचालन' पर एक लघु अवधि का पाट्यक्रम शुरू करेगा

कानपुर (नगर छाया समाचार)। रिफाइन्ड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, सक्षम जनशक्ति प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर अप्रैल 2024 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यऋम शुरू करेगा।

कुछ साल पहले तक, देश में सल्फीटेशन प्रक्रिया द्वारा केवल सफेद चीनी का उत्पादन किया जाता था, लेकिन औद्योगिक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकता और बेहतर गणवत्ता वाली चीनी के लिए उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, 532 चालू चीनी कारखानों में सेलगभग 80 कारखानों ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया को रिफाइन्ड चीनी या सल्फर रहित चीनी के उत्पादन में परिवर्तित कर लिया है

चीनी रिफाइनरियों की प्रसंस्करण तकनीक भिन्न होने के कारण, चीनी इकाइयों को आवश्यक परिचालन उन्नत करने के लिए विषय वस्तु पर तीन प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का है।



महीने की अवधि का पाठ्यऋम शुरू करने पर विचार किया है।

शिक्षा प्रभारी श्री अशोक गर्ग ने कहा कि पाठ्यऋम में 20 सीटें होंगी और इस पाठयऋम को अप्रैल-जन के दौरान आयोजित किया जाएगा जबकि अधिकांश स्टाफ मिलने में संकट का सामना करना अन्य पाठ्यक्रमों की कक्षाएं बंद रहती हैं, पड़ रहा है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर इस प्रकार कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और नरेंद्र मोहन ने कहा किप्रतिष्ठित चीनी छात्रावास के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की कंपनियों और शीर्ष संगठनों के साथ आवश्यकता नहीं होगी। संस्थान की बातचीत करने के बाद, हमने चीनी मिलों अकादमिक परिषद ने पहले ही प्रस्ताव पर में पहले से ही काम कर रहे विज्ञान पृष्ठभूमि सहमति दे दी है।अतएव हमारा प्रस्ताव के 12 वीं पास व्यक्तियों को उनके ज्ञान को मार्च 2024 में इस पाठ्यक्रम के लिए

# चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघू अवधि का पाठ्यऋम शुरू करेगा एनएसआई



निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

कानपुर, 20 नवम्बर। रिफाइंड और विशिष्ट चीनी उत्पादन में पारंगत, समक्ष जनशक्ति प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर आगामी अप्रैल-2024 से चीनी रिफाइनरी संचालन पर एक लघु अवधि का पाठ्यऋम शुरू करेगा। इस पाठयऋम में 20 सीटें होगी और मार्च-2024 में इस पाठ्यऋम के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि प्रतिष्ठित चीनी कंपनियों और शीर्ष संगठनों

के साथ बातचीत की गई। इसकेबाद विज्ञान पृष्ठभूमि के 12वीं पास व्यक्तियों को उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए विषय वस्तु पर तीन महीने की अवधि का पाठ्यऋम शुरू करने की तैयारी है। संस्थान में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और छातावास के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की सुविधाएं हैं।

### NSI to start short term course on sugar refinery operations

PIONEER NEWS SERVICE KANPUR

In order to provide competent manpower well versed in refined and specialty sugar production, the National Sugar Institute (NSI) will start a short term course on 'Sugar Refinery Operations' from April next year. Till a couple of years ago the country used to produce only white sugar by sulphitation process but to cope with the requirement of industrial users and also considering consumer preferences for better quality sugar out of the 532 operational sugar factories, about 80 factories have converted their process to refined sugar or sulphurless sugar. This was informed by Director NSI Prof Narendra Mohan while addressing presspersons on Monday. He said the processing technique in case of sugar refineries being different, sugar units are facing crisis in getting the required operational staff. He said thus after having a dialogue with reputed sugar companies and apex organisations,

the NSI considered starting a three-month duration course on the subject matter for the XIIth pass individuals with science background already working in sugar factories to upgrade their knowledge. He said the course will have 20 seats and will be conducted during April-June when classes for most other courses remain off and hence no additional infrastructure of classrooms, laboratories and hostel will be required. He said the Academic Council of the institute has already consented to the proposal and we propose to conduct the entrance exam for this course in March next year.

WORKSHOP: Parentteacher meeting is the key component in school education because parents get an opportunity to connect with teachers and discuss about academic progress of their child and to jointly develop strategies to support their child's learning ability. This was stated by Dr Paulomi Roy, Oxford Publications, New Delhi, while addressing a workshop on 'Parent-teacher meetings' at Dolphin Public School on Monday. She said parents can potentially play an important role in their children's overall learning and education both at home and at school. She said policy makers and educational experts have often advocated parents being encouraged to be more involved in their children's academic lives. She said parental involvement with their children's education can occur either at home or at school. She said interactions with teachers such as having parent-teacher meetings in schools improved accountability and transparency, resulting in an improvement in school services. She said parents might be more engaged with children at home if they met teachers regularly to discuss their children's performances, homework, etc. Dr Roy said school, teachers and parents play a vital role in the holistic development of the child. She said parents are the first mentor of the child and teacher is

the second. Both have an immense contribution and responsibility in shaping child's personality. She said parents are the child's first role model and they behave, react and imitate same as their parents. She said thus they play an important role in encouraging and motivating their kids to learn. Parent-teacher conferences allow parents and guardians to get a better understanding of their child's strengths and weaknesses and teachers can provide insight into child's academic abilities, areas of improvement and overall progress in the classroom. She said it also helped build a pos-itive relationship between families and teachers. She advised parents to take part in parentteacher conferences which can encourage their involvement in their child's education. She said it also helped provide an opportunity for parents and teachers to develop a plan for child's academic success. The vote of thanks was proposed by headmistress Pratibha Pandey.



संयाददाता पंकज अदस्यो, सच की अहनियत

कानपुरा। रिफहार्ड और निरिष्ठ चेंने उत्पादन में पर्वराज, सक्षम चलाकि इदान काने के लिए, राष्ट्रीय ठकेंग संस्थान, कान्युर, अर्डेल 2024 से क्षाचेने रिफाइन्से संपालस्क्ष पर एक लघु अपपि का पहरादयम युरू करेंग।

मुख माल पहले तक, देश में सार्थप्रेटेंजन प्रतिक्या प्राप्त केवल सफेद चौने का उत्पादन किया जात मा, सन्जु और बेलस गुणकात चली चौनी के लिए उत्पर्वकाओं की प्रायमिकताओं को च्यान में रखते हुए, 532 चाल चौने कारखराने में से लागभा 80 कारखाने में अपनी उत्पादन प्रतिज्ञ चौने के प्रत्याहन में चौरवर्तित किया है।

चीनी रिफाइनरियी की प्रसंस्करण सकनीक भिन्न होने के कारण, चीनी इकटइयें को आयरपक

घरियालन स्टाफ भिलने में संकट का सामना करना पड़ रहा है। संस्थान के निदेशक प्रोफेस नरेंद्र मोहन ने कहा कि प्रतिष्ठित धोनों करने से सार, हमने के साथ बालवीज करने के बाद, हमने बोनी मिलों में पहले से बी

काम कर रहे विज्ञान पुराधूमि के 12 थीं पास व्यक्तियों को उनके ज्ञान को ज्ञान करने के लिए विषय चस्तु पर ग्रीन महीने



की अर्थध का पहुंचलम शुरू करने पर वियार किया गया है।

हिक्ष प्रचारी आगेक गरे ने बतावा कि जदावकन में 20 सीटें होगी और इस पांदुरावम की अप्रैल-जून के दौरान अपर्वेका किप जएगा। जबकि अधिकांत अन्य पहरकमों की कबार, बंद रहती है, इस प्रकार

कश्वाधों, प्रयोगराज्यों और खजावा के अधिरेक कुरियादे दाये को अधरण्यकता नहीं होथी। संस्थान की अकहरिक परिषद ने पहले ही प्रस्थाय पर राहपति दे दी है। हम्या प्रस्थान वाचे 2024 में इस पादवस्त्रम के लिए प्रवेश परीक्ष प्रयोगित करने का है।

## चीनी रिफाइनरी संचालन का नया कोर्स अप्रैल से

कानपुर। चीनी रिफाइनरी संचालन का नया कोर्स नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में शुरू किया जाएगा। यह कोर्स तीन महीने का होगा और इसमें 20 सीटें होंगी। नए पाठ्यक्रम में विज्ञान से इंटर पास छात्र-छात्राएं प्रवेश पा सकेंगे। इसकी कक्षाएं अगले वर्ष अप्रैल, मई और जून में चलेंगी। एनएसआई की अकादमिक परिषद ने इस प्रस्ताव पर सहमति दे दी है।



एनएसआई निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

उपभोक्ताओं की प्राथमिकता को एनएसआई निदेशक प्रोफेसर ध्यान में रखते हुए अब 80 नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस कारखाने रिफाइंड और सल्फर रहित पाठ्यक्रम से रिफाइंड और विशिष्ट चीनी उत्पादन कर रहे हैं। उत्पादन चीनी उत्पादन के लिए प्रशिक्षित में चीनी इकाइयों की स्टाफ के स्टाफ मिल सकेगा। कुछ साल संकट का सामना करना पड रहा है। पहले तक देश में सल्फीटेशन इंस्टीट्यूट के शिक्षा प्रभारी अशोक प्रक्रिया से सिर्फ सफेद चीनी का गर्ग ने बताया कि संस्थान में ठत्पादन किया जाता था। बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। (व्यूरो)